रिपोर्ट टाइम्स मीडिया

शेखावाटी का सबसे विश्वसनीय डिजिटल ई पेपर

सुविचार -

समय का उत्तम उपयोग करना सीखें
क्योंकि विश्व के ज्यादातर सफल
मनुष्यों ने इसी का प्रयोग किया है।

शुक्रवार, 5 सितंबर 2025, भाद्रपद शुक्ल पक्ष त्रयोदशी	वर्ष - 07	अंक 25	UAN NO RJ21D0011677	reporttimes.in@gmail.com	www.reporttimes.in

बाढ़ से देश के कई राज्यों में बिगड़े हालात

एजेंसी. नई दिल्ली। देशभर के कई राज्यों में मानसूनी बारिश ने आफत मचाई हुई है। भूस्खलन और बाढ़ से हाल बेहाल है। मूसलाधार बारिश से हर जगह पानी ही पानी नजर आ रहा है। पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड से लेकर मैदानी राज्यों दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र और राजस्थान तक बारिश से बुरा हाल है।

पंजाब के 23 जिले और 1655 गांव बाढ़ से प्रभावित

चंडीगढ़। पंजाब में बारिश और बाढ़ के चलते राज्य में अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 तक पहुंच गई। पिछले 24 घंटों में बाढ़ के कारण 7 लोगों की जान चली गई है।

पंजाब में मृतकों की संख्या : अमृतसर में 4, बरनाला में 5, होशियारपुर में 7, बठिंडा में 3, गुरदासपुर में 1, लुधियाना में 4, मानसा में 3, पठानकोट में 6, पटियाला में 1, रुपनगर में 1 और मोहाली और संगरूर में एक-एक मौत शामिल है। पंजाब के 23 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं. आंकड़ों के मुताबिक लगभग 1655 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। अगर पूरे पंजाब में बाढ़ से प्रभावित लोगों की संख्या गिनी जाए तो 3 लाख 55 हजार 709 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अमृतसर में बाढ़ से प्रभावित लोगों की संख्या 117534 है. इसके बाद गुरदासपुर में 145000 लोग प्रभावित हुए हैं। इसी तरह, फिरोजपुर में 39076, पठानकोट में 15073, कपूरथला में 5728 और मोहाली में 7000 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक 19474 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इसके अलावा बाढ़ के पानी से बचाए गए लोगों की संख्या 19474 तक पहुंच गई है. सबसे ज्यादा 5581 लोगों को गुरदासपुर से बचाया गया। सुरक्षित निकाले गए लोगों की संख्या का ब्यौरा अमृतसर 2734 बरनाला 369 फाजिल्का 2422 फिरोजपुर 3495 गुरदासपुर 5581 लोग बचाए गए। इसी तरह होशियारपुर से 1615, जालंधर 474, कपूरथला 1428, मानसा 16, मोगा 115, रोपड़ 65, पठानकोट 1139, तरनतारन से 21 लोग बचाए गए. इस प्रकार कुल 19474 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। पंजाब के 15 जिलों में 167 नए राहत शिविर खोले गए। अब तक पंजाब के विभिन्न जिलों में कुल 5304 शिविर खोले जा चुके हैं. पूरे पंजाब में कुल 5304 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। पंजाब में अब तक फसल नुकसान की बात करें तो कुल 1,75,216 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है। जिसमें सबसे ज्यादा फसल गुरदासपुर जिले में 40169 एकड़ फसल नष्ट हुई है. दूसरे स्थान पर मानसा है जहां 24967 हेक्टेयर फसल नष्ट हुई है। फाजिल्का में 17786 हेक्टेयर और फिरोजपुर में 17620 हेक्टेयर फसल नष्ट हुई। इसी तरह एनडीआरएफ की 20 टीमें पूरे पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों में काम कर रही हैं। 30 से 35 भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर भी रात के ऑपरेशन में लगे हुए हैं। बीएसएफ की टीमें विशेष रूप से गुरदासपुर क्षेत्र से लोगों को निकालने का काम कर रही हैं। पंजाब में भारी बारिश के कारण गुरुवार को बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो गई। राज्य में प्राकृतिक आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हो गई, जबकि 1988 के बाद राज्य में आए सबसे भीषण सैलाब से 23 जिलों में 1.75 लाख हेक्टेयर भूमि पर लगी फसलें नष्ट हो गईं। राज्य में बचाव और राहत कार्य युद्ध स्तर पर जारी हैं और अलग-अलग जगहों से मदद पहुंच रही है, ताकि 1,655 गांवों के 3.55 लाख से ज़्यादा लोगों को राहत मिल सके। भारी बारिश के बाद रूपनगर और पटियाला जिलों में अलर्ट जारी कर दिया गया है और लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया गया है, जबकि सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय सात सितंबर तक के लिए बंद कर दिए गए हैं। हिमालय से निकलने वाली सतलुज, व्यास और रावी नदियां तथा छोटी नदियां पहले से ही उफान पर हैं, जिससे शहर, गांव और कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति और बिगड़ी है। सुबह छह बजे भाखड़ा बांध का जलस्तर 1,677.84 फुट था, जबकि इसकी अधिकतम क्षमता 1,680 फुट है। बांध में 86,822 क्यूसेक पानी का प्रवाह हुआ, जबकि 65,042 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। अधिकारियों ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश को देखते हुए बांध से पानी छोड़ने की मात्रा 65,000 क्यूसेक से बढ़ाकर 75,000 क्यूसेक की जा रही है. उन्होंने चेतावनी दी कि नांगल के गांव जलमग्न हो सकते हैं। रूपनगर जिला प्रशासन ने भाखड़ा बांध से पानी छोड़े जाने के मद्देनजर सतलुज नदी के पास रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा है। इस बीच पटियाला जिला प्रशासन ने भी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के मद्देनजर राजपुरा उप-मंडल में घग्गर नदी के निकटवर्ती गांवों के लिए अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों के मुताबिक, अंबाला में टांगरी नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है और अंबाला तथा काला अंब में भारी बारिश के बाद पटियाला में भी इसके बढ़ने की आशंका है।

जम्मू कश्मीर में भारी बारिश से हाल बेहाल

श्रीनगर/ जम्मू। जम्मू कश्मीर में भारी बारिश और बाढ़ से हालात काफी बिगड़ गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यहां दो जिले, श्रीनगर और बडगाम सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। वहीं, 4 से 5 जिले आंशिक तौर बाढ़ और बारिश से प्रभावित बताए जा रहे हैं। लगातार बारिश के बाद कश्मीर के प्रमुख स्थानों पर झेलम नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया और बाढ़ का पानी रिहायशी इलाकों में भी घुस गया। बडगाम के जलमग्न इलाकों से लगभग 9000 लोगों को निकाला गया है। गुरुवार सुबह, श्रीनगर जिला प्रशासन ने बडगाम के शालिना में एक दरार की सूचना के बाद कई निचले इलाकों के लिए निकासी सलाह जारी की। लासजन, सोइतेंग, नौगाम, ब्येथपोरा, गोपालपोरा, पदशाहीबाग और महजूर नगर के निवासियों से सुरक्षित स्थानों पर जाने का आग्रह किया गया। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सहित प्रमुख सड़कों को बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन होने तथा मलबा आ जाने के कारण यातायात के लिए बंद कर दिया गया है, जिससे कश्मीर घाटी का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क टूट गया है। राजमार्गों और अन्य अंतर-क्षेत्रीय सड़कों के 26 अगस्त से बंद होने के कारण कठुआ से कश्मीर तक विभिन्न स्थानों पर 3,500 से अधिक वाहन फंस गए हैं। कुछ फंसे हुए वाहनों की आवाजाही के लिए सोमवार को राजमार्ग को आंशिक रूप से खोल दिया गया था। जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग, मुगल रोड और सिंथन रोड कई स्थानों पर भूस्खलन, मिट्टी धंसने और पत्थर गिरने के कारण वाहनों की आवाजाही के लिए बंद हैं। इसके अलावा, भूस्खलन और सड़कों के कुछ हिस्सों के बह जाने के कारण जम्मू-राजौरी-पुंछ राजमार्ग और बटोटे-डोडा-किश्तवाड़ राजमार्ग सहित महत्वपूर्ण राजमार्ग यातायात के लिए बंद हैं। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग, मुगल रोड, सिंथन-अनंतनाग रोड, जम्मू-पुंछ राजमार्ग और बटोटे-डोडा-किश्तवाड़ राजमार्ग बंद होने से कश्मीर घाटी से सभी तरह का सतही संपर्क टूट गया है। यातायात पुलिस के परामर्श में कहा गया है, "कई जगहों पर सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण जम्मू-श्रीनगर मार्ग उधमपुर के जखनी से श्रीनगर की ओर तथा श्रीनगर से उधमपुर की ओर वाहनों की आवाजाही के लिए बंद है। नगरोटा (जम्मू) से रियासी, चेनानी, पटनीटॉप, डोडा, रामबन, बनिहाल, श्रीनगर की ओर वाहनों की आवाजाही की अनुमति नहीं होगी। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा कठुआ, राजौरी, डोडा, किश्तवाड़, रामबन और रियासी में कई अंतर-जिला सड़कें भूस्खलन और पत्थर गिरने के कारण बंद हैं।

बाढ़-बारिश से हिमाचल प्रदेश में 12 जिले प्रभावित

शिमला। भारी बारिश और बाढ़ से हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिले, बिलासपुर, चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, लाहौल-स्पीती, मंडी शिमला, सिरमौर, सोलन, ऊना बारिश से प्रभावित हैं। 1 जून से लेकर 4 सितंबर के आंकड़ों के हिसाब से अब तक 355 लोगों की जान जा चुकी है। हिमाचल में सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में मंडी, कुल्लू, कांगड़ा, चंबा और शिमला शामिल है. वहीं, बाढ़ और बारिश से कई इमारतें, सड़के क्षतिग्रस्त हो गईं. इस प्राकृतिक आपदा से अब तक 3787.17 करोड़ रुपये का राज्य को नुकसान हुआ है। बारिश के कारण मकान ढहने और भूस्खलन की घटनाओं में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में 10 लोगों की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में एहतियातन सभी स्कूल और कॉलेज सात सितंबर तक बंद करने के आदेश दिए गए हैं।

मध्य प्रदेश में बाढ़ से आमजीवन त्रस्त, 26 जिले बाढ़ से प्रभावित

भोपाल। मध्य प्रदेश के 26 जिले बाढ़ से प्रभावित बताए जा रहे हैं। खबर के मुताबिक, रतलाम में भारी बारिश की वजह से जनजीवन प्रभावित हुआ है। बारिश का आलम यह है कि रतलाम की सड़कें और स्टेशन की पटरियों पर पानी भर गया है। शहर के न्यू रोड, पी एंड टी कॉलोनी सहित निचले इलाकों में सड़के जलमग्न है। स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 की पटरियां पानी में डूबी हुई है. जिसकी वजह से पायलेटिंग करके ट्रेनों को निकाला जा रहा है। भारी बारिश की चेतावनी के बाद रतलाम कलेक्टर ने गुरुवार को स्कूलों में अवकाश घोषित किया। सैलाना क्षेत्र में अत्यधिक बारिश के बाद धोलावाड़ डैम के सभी 5 गेट खोले गए हैं। रतलाम जिले में बारिश का आंकड़ा 43 इंच के पार पहुंच गया है। सबसे ज्यादा 66 इंच बारिश सैलाना क्षेत्र में दर्ज की गई है. जिसकी वजह से रतलाम को जल आपूर्ति करने वाला धोलावड़ डैम लबालब हो गया है। जिसके बाद धोलावाड़ डैम के सभी 5 गेट खोले गए हैं। अतिवृष्टि की वजह से खेतों में भी पानी भर गया है. मौसम विभाग के द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर और मंदसौर जिले में आगामी तीन दिनों तक बारिश का दौर जारी रह सकता है।

दिल्ली में बाढ़ की स्थिति

नई दिल्ली। दिल्ली में बाढ़ से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। यह स्थिति हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण हुई है। गुरुवार सुबह 10 बजे यमुना का जलस्तर 207.47 मीटर दर्ज किया गया है जो खतरे के निशान से करीब दो मीटर अधिक है। राजधानी में अब तक 8,018 लोगों को राहत शिविर कैंपों में ले जाया गया है, जबकि 2,030 लोगों को 13 स्थायी आश्रय स्थलों में ट्रांसफर किया गया है। मोनेस्ट्री मार्केट और यमुना बाजार जैसे इलाके अभी भी जलमग्न हैं। उधर दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण हम पूरी तरह तैयार हैं, हम लगातार स्थिति पर नजर रख रहे हैं, स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। बाढ़ का सबसे ज्यादा असर यमुना के निचले इलाकों और नदी के किनारे बसी झुग्गी बस्तियों पर हुआ है। ओल्ड यमुना ब्रिज, आईएसबीटी, आईटीओ, राजघाट, और लाल किला परिसर का एक हिस्सा और महत्वपूर्ण क्षेत्र पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं। सड़कों पर कई फीट तक पानी भर जाने से यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया है। आईएसबीटी के पास कश्मीरी गेट और यमुना बाजार जैसे घनी आबादी वाले इलाके पानी में डूब गए हैं, जिससे हजारों परिवारों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है।

उत्तर प्रदेश के 38 जिले बाढ़ प्रभावित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बाढ़ और बारिश से लोगों का बुरा हाल है। करीब 38 जिलों में हालात लोग इस आपदा से जूझ रहे हैं। बारिश से शहरों के हालात खराब हो गए हैं। सड़कों पर जलभराव के साथ बारिश का पानी लोगों के घरों में घुस रहा है। पहाड़ों पर बारिश और बांधों से छोड़ा गया पानी नदियों का जलस्तर बढ़ा रहा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सितंबर में जोरदार मानसूनी बारिश होगी। आगरा, फिरोजाबाद, शामली, मेरठ, बागपत, हाथरस और हापुड़ एवं आसपास के इलाकों में भारी बारिश का अनुमान है। बारिश के कारण 7 जिलों में स्कूल बंद रहेंगे। प्रयागराज में गुरुवार की सुबह 8 बजे नैनी में 80.95 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में 4 सेंटीमीटर कम है। गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 81.48 मीटर 8 सेमी कमी हुई, छतनाग में 80.42 मीटर 7 सेमी और बक्सीघाट पर 81.07 मीटर 4 सेमी की कमी दर्ज की गई है। जलस्तर खतरे के निशान 84.734 मीटर से नीचे है। प्रशासन ने बताया कि सभी बांध पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्नाव में पिछले 24 घंटे में गंगा में करीब 18 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन के मुताबिक, गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर है। हालात पर प्रशासन की पैनी नजर बनी हुई है। आपदा से निपटने के लिए 26 नावों की व्यवस्था की गई है। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी टीमों को भी तैनात किया गया है, ताकि किसी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। अलीगढ़ के टप्पल क्षेत्र के 10 गांव में यमुना का पानी पहुंच गया है। महाराजगढ़, शेरपुर, ऊंटासानी , मिर्जापुर, पाखोदना, नगला चंडी, नगला राम स्वरूप, नगला अमर सिंह, घरबरा और लालपुर गांव में फसले पानी में डूब गई है। पशुओं के लिए चारे का इंतजाम मुश्किल हो गया है. कई लोगों के मकानों में दरारें आ गई हैं। प्रशासन ने ग्रामीणों को घर खाली करने के निर्देश दिए है। एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रमोद कुमार ने बताया कि राहत के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं। जब यमुना का पानी उतर जाएगा, तब नुकसान का आकलन कराया जाएगा।

हरियाणा में बाढ़ और बारिश का कहर

चंडीगढ़। हरियाणा में अलग-अलग जगहों पर भारी वर्षा के कारण मकानों की छतें गिरने की तीन घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन लड़कियां शामिल हैं। ये घटनाएं भिवानी, कुरुक्षेत्र से करीब 20 किलोमीटर दूर शाहबाद मारकंडा और यमुनानगर में हुईं।

पश्चिम बंगाल में भारी बारिश का अनुमान

कोलकाता। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण गुरुवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्से के कुछ जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। बुधवार को जारी एक बुलेटिन में कहा गया कि पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्से के सभी जिलों में एक-दो स्थानों पर मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश, बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने के आसार हैं। आईएमडी ने बताया कि ओडिशा के उत्तरी तट से दूर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र बना है। बृहस्पतिवार तक ओडिशा के उत्तरी हिस्से और उससे सटे झारखंड एवं छत्तीसगढ़ के उत्तरी हिस्सों की ओर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ सकता है। विभाग ने बताया कि पश्चिम बंगाल के दक्षिणी जिलों पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना और झाड़ग्राम में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश (सात से 11 सेंटीमीटर) की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, सक्रिय मानसूनी प्रवाह के कारण उत्तर बंगाल के सभी जिलों में एक-दो स्थानों पर मेघगर्जन, बूंदाबांदी, बिजली चमकने और तेज हवाओं के चलने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने झारखंड के तीन जिलों के लिए बृहस्पतिवार तक भारी बारिश का 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जिन तीन जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है, उनमें गुमला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिले शामिल हैं।

राजस्थान में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

जयपुर। लगातार मूसलाधार बारिश से राजस्थान के कई हिस्सों में रेल और सड़क यातायात बाधित हो गया और जयपुर व कोटा जिलों के कई इलाके जलमग्न हो गए. जयपुर, दौसा और सीकर में बुधवार सुबह हुई बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। दौसा में, भारी बारिश के बीच जयपुर-आगरा राजमार्ग पर पुलिस वैन एक ट्रक से टकरा गई, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। राजधानी जयपुर शहर की सड़कों और निचले इलाकों में भारी जलभराव के कारण यातायात बाधित हुआ। टोंक रोड, परकोटे वाले इलाके, जवाहर नगर, राजा पार्क, मोती डूंगरी रोड, गोपालपुरा, टोंक फाटक और अजमेर रोड पर चार से पांच फुट पानी भर जाने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

सिद्धि विनायक की भव्य विदाई

गणपति की विदाई पर श्रद्धालु हो उठे भावुक

आकाश वर्मा, रिपोर्ट टाइम्स. चिड़ावा। श्री कृष्ण गौशाला के पास वार्ड 23 व 35 के बीच स्थित सिद्धि विनायक मित्र मंडल द्वारा आयोजित नव दिवसीय गणपति महोत्सव का आज विधिवत रूप से विसर्जन किया गया। विसर्जन के पूर्व पंडित प्रवीण पलड़िया ने पूजन व हवन करवाया। हवन के बाद आठ फिट की गणपति की मूर्ति को सुसज्जित ट्रेक्टर में विराजित कर मुख्य मार्गो से होते हुए गौशाला रोड, कल्याण प्रभुजी का मंदिर व विवेकानंद चौक की परिक्रमा कर गौशाला रोड स्थित कुएँ पर विसर्जित किया गया। विसर्जन के दौरान लोगों ने गणपति बाबा मोरिया मंगल मूर्ति मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ के नारों से माहौल भक्तिमय बना दिया। विसर्जन में मुख्य आकर्षण का केंद्र कर्णावत ऊंट - घोड़ी नृत्य रहा।

घोड़ी का नृत्य देख लोगों ने दांतों तले दबाई अंगुली...

संजय दाधीच, रिपोर्ट टाइम्स. शहर में निकाली गई गणपति विसर्जन यात्रा के दौरान घोड़ी नृत्य की प्रस्तुति दी गई। घोड़ी ने अद्भुत नृत्य कर सभी को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर दिया।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

रिपोर्ट टाइम्स. पिलानी। नाबालिग से दुष्कर्म के एक मामले में पिलानी पुलिस ने आरोपी को 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता ने स्वयं पिलानी थाने में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि आरोपी ने उसे घर में अकेला पाकर दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज किया। नाबालिग से जुड़े इस मामले को देखते हुए थानाधिकारी रणजीत सिंह सेवदा के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने सबूत जुटाए और आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने लगातार दबिश देकर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

जिलास्तरीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता का उद्घाटन

भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया रहे मुख्य अतिथि

कमलकांत पुजारी, रिपोर्ट टाइम्स. चिड़ावा। पद्मश्री द्रोणाचार्य गुरु हनुमान व्यायामशाला संस्थान में 69वीं जिला स्तरीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता का उद्घाटन भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चिड़ावा सीबीईओ डॉ. उमादत्त झांझड़िया ने की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर एसीबीईओ सुरेश कुमार पायल, कयूम अली एवं गुरु हनुमान व्यायामशाला सचिव राजेंद्रपाल सिंह कोच रहे। दहिया ने कार्यक्रम के संयोजक प्रधानाचार्य महेंद्र वर्मा को साधुवाद देते हुए बताया कि अंडर 14/17/19 वर्ष आयु के छात्र छात्रा वर्ग (फ्री स्टाईल/ ग्रीको रोमन) सत्र 2025- 26 प्रतियोगिता यहां हो रही है। बच्चों के जीवन में खेलों का महत्व बढ़ा है। कार्यक्रम में मंच का संचालन निरंजनलाल शर्मा एवं जोगेंद्र सिंह कोच ने किया। इस दौरान डॉ बी.एल. वर्मा, बाबूलाल वर्मा, नरेंद्र गिरधर, हर्ष वर्धन सिंह, रामसिंह खेड़ला सरपंच, उम्मेद झाझडिया, सरजीत चौधरी, मुरली मनोहर पिलानी, पार्षद मदन डारा, अमरजीत, मुकेश जालिंद्रा, मानसिंह श्योराण, राजेश वर्मा, सरपंच रामेश्वर, संपत देवी, बलवंत सिंह आदि अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्कूलों में बदली दीपावली की छुट्टियों की तारीख, अब इन 11 दिनों का रहेगा अवकाश

रिपोर्ट टाइम्स. झुंझुनूं। शिक्षा निदेशालय बीकानेर ने इस साल अक्टूबर में होने वाले 12 दिन के मध्यावधि अवकाश (दिवाली) की तिथियों में बदलाव किया है। पहले ये छुट्टियां 16 से 27 अक्टूबर तक तय थीं लेकिन अब इन्हें 13 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक कर दिया गया है। शिविरा पंचांग के अनुसार पहले 13 से 15 अक्टूबर तक सेकंड टेस्ट आयोजित होने थे। लेकिन अब सेकंड टेस्ट 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर के बीच आयोजित किए जा सकते हैं। इस बदलाव से स्कूलों को परीक्षा की तैयारी के लिए भी अतिरिक्त समय मिल जाएगा। छुट्टियां 13 अक्टूबर से शुरू होंगी लेकिन 12 अक्टूबर को रविवार है। इसलिए स्कूल 11 अक्टूबर तक ही संचालित होंगे। इसके बाद स्कूल 25 अक्टूबर (शनिवार) से दोबारा खुलेंगे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर यह फेरबदल किया गया है।

सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक शिक्षा जगबीर सिंह यादव का सम्मान

शिवानंद, रिपोर्ट टाइम्स.चिड़ावा। लोहिया पब्लिक स्कूल प्रांगण में एक शिक्षक से माध्यमिक शिक्षा बीकानेर से संयुक्त निदेशक पद पर 38 वर्षों तक निष्ठा, समर्पण और उत्कृष्टता के साथ सेवाएँ देने के बाद सेवानिवृत्त हुए जगबीर सिंह यादव का सम्मान समारोह हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय निदेशक रामसिंह नेहरा, जगपाल यादव एवं अभय सिंह बडेसरा द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन से हुई। इसके पश्चात प्राचार्या प्रमोदिनी दुबे, प्रमिला झाझडिया, चेयरपर्सन ममता नेहरा और सचिव प्रदीप नेहरा ने स्मृति-चिन्ह प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। अपने भावनात्मक संबोधन में जगबीर सिंह यादव ने कहा कि स्कूल के विद्यार्थियों में असीम संभावनाएं हैं। मुझे विश्वास है कि ये नन्हें पौधे कल बड़े वृक्ष बनकर देश और समाज का नाम रोशन करेंगे।उन्होंने बच्चों को अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को जीवन का आधार बनाने का संदेश दिया। जगबीर सिंह यादव का सम्पूर्ण जीवन शिक्षा-जगत के लिए प्रेरणादायी रहा है। इस यात्रा में उन्होंने न केवल प्रशासनिक कुशलता दिखाई, बल्कि हजारों विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए मार्गदर्शक बनकर अमिट छाप छोड़ी। उनकी सादगी, ईमानदारी और समर्पण भाव ने उन्हें शिक्षा-जगत की एक जीवंत मिसाल बना दिया। श्रेष्ठा सोनी ने स्वागत भाषण, बंटी ने भगवान श्रीकृष्ण की स्तुति, प्रियांशी ने गीता के श्लोक प्रस्तुत किए, वहीं विमलेश जांगिड़ और कविता सोनी ने मंच संचालन किया। इस गरिमामयी अवसर पर पूरणमल गजराज , गुलजार खान, विशाल शर्मा, प्रदीप सोनी, सुरेश यादव, सुरेश भालोठिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अभिनंदन | पूर्व पालिकाध्यक्ष सुभाष शर्मा के नेतृत्व में दिया चिड़ावा आने का न्योता

वित्त आयोग अध्यक्ष बने डॉ. अरुण चतुर्वेदी का अभिनंदन,

रिपोर्ट टाइम्स. जयपुर | भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता डॉ. अरुण चतुर्वेदी को राजस्थान वित्त आयोग का अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) बनाए जाने पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के पूर्व कुलपति डॉ. लोकेश शेखावत के नेतृत्व में उनके निवास पर अभिनंदन किया गया।

अरुण चतुर्वेदी के अभिनंदन के दौरान झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांभू, पूर्व आईपीएस सीबी शर्मा, धर्मेंद्र सिंह शेखावत, दयाराम भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर उन्हें माला पहनाकर, शाल ओढ़ाकर और चिड़ावा के प्रसिद्ध पेड़े खिलाकर शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही उन्हें शीघ्र ही चिड़ावा आने का न्यौता भी दिया गया। इसी क्रम में राजस्थान सरकार के संसदीय कार्य, विधि एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल का भी जयपुर स्थित सरकारी आवास पर स्वागत हुआ और उन्हें भी चिड़ावा आने का आमंत्रण दिया गया।

सूरजगढ़ में हुई विप्र बंधुओं की बैठक

परशुराम ज्ञानपीठ सेंटर के लोकार्पण को लेकर विप्रों ने भरी हूंकार

पवन शर्मा, रिपोर्ट टाइम्स, चिड़ावा

प्रदेश की राजधानी जयपुर के मानसरोवर में नव निर्मित श्री परशुराम ज्ञान पीठ सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च सेंटर भवन के छह सितंबर को होने जा रहे लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर झुंझुनू जिले के सूरजगढ़ ब्लॉक के विप्र समाज ने भी हुंकार भरते हुए अधिकाधिक संख्या में पहुँचने की हुंकार भर आह्वान किया है। गुरुवार शाम को ब्राह्मण सभा भवन में भवन लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर ब्राह्मण समाज की विशेष बैठक का आयोजन हुआ। ब्राह्मण सभा अध्यक्ष विनोद शर्मा गुरूजी की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक के दौरान जयपुर के शिप्रा पथ मानसरोवर में नवनिर्मित श्री परशुराम ज्ञान पीठ सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च सेंटर भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में जाने को लेकर विचार विमर्श कर चर्चा करते हुए बैठक में मौजूद सदस्यों और युवाओ को जिम्मेदारी दी गई। भवन का लोकार्पण प्रदेश के मुखिया सीएम भजनलाल शर्मा करेंगे। भवन लोकार्पण कार्यक्रम में शिरकत के लिए सूरजगढ़ ब्लॉक से काफी संख्या में विप्र बंधू जयपुर जाएंगे। इस मौके पर राजेंद्र भट्ट,गोपाल बिजनेवाला,पूर्व पार्षद राकेश शर्मा, जयप्रकाश शर्मा,सुरेश शर्मा,सत्यनाराण शर्मा,मुकेश शर्मा,आचार्य नरेश महमियाँ, विजय शर्मा,पंडित सुरेंद्र शर्मा,संदीप शर्मा,अशोक शर्मा, हिमांशु,संदीप मोहित,नरेश,कार्तिक,ऋषि ,महेंद्र सहित काफी सांख्य में विप्र बधु मौजूद थे।